

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

सत्र – ३

परीक्षा : मई – २०२५

विषय : आधुनिक काव्य (भाग-१) (HDS - 301)

दि.: १०/०५/२०२५

कुल अंक : १००

समय : दो २.०० से दो ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'कामायनी' महाकाव्य की कथावस्तु को लिखिए।
- प्र. २ 'कामायनी' महाकाव्य की सर्ग योजना पर सविस्तार प्रकाश डालिए।
- प्र. ३ 'चिंता' सर्ग में अभिव्यक्त मनु की चिंता का कारण स्पष्ट करते हुए, उसकी मनोदशा का विश्लेषण कीजिए।
- प्र. ४ 'कामायनी' महाकाव्य के कला पक्ष एवं भाव पक्ष का विवेचन कीजिए।
- प्र. ५ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य की कथावस्तु को लिखते हुए, उसमें हनुमान के चरित्र- योजना के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ६ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित समस्याओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
- प्र. ७ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य की चरित्र योजना और उसके महत्त्व को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ८ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य के कलापक्ष एवं भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।
१. सुख केवल सुख का वह संग्रह
केंद्रीभूत हुआ इतना,
छाया पथ में नव तुषार का
सघन मिलन होता जितना।
 २. हम अन्य न और कुटुंबी
हम केवल एक हमी हैं
तुम सब मेरे अवयव हो
जिसमें कुछ नहीं कमी है।
 ३. राम! मोह असत्य है,
किसी का भी है !
 ४. किंतु युद्ध दायित्व है,
किसी भी पीढ़ी के लिए दायित्व है,
आवेश नहीं।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
१. इड़ा का चरित्र-चित्रण
 २. 'कामायनी' में प्रलय-वर्णन
 ३. विभीषण का चरित्र
 ४. 'संशय की एक रात:' शीर्षक।